नोटिस के नाम पर केवल औपचारिकता, नगर निगम की कार्यवाही पर उठ रहे सवाल

नोटिसों के सहारे खड़ा हो रहा अवैध शहर: अनुमति के विरुद्ध निर्माणों पर निगम क्यों है मेहरबान, शिकायत के पांच महीने बाद भी कार्यवाही शून्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा, मनीष गड़करी

नगर निगम इन दिनों एक अजीब कार्यशैली को लेकर चर्चा में है। यहां नियमों का पालन कराने से ज्यादा "नोटिस जारी करने" की परंपरा मजबूत दिखाई देती है। शहर में यदि कोई व्यक्ति भवन निर्माण की अनुमति ले ले, तो उसके बाद वह स्वीकृत नक्शे को माने या न माने, सेटबैक छोड़े या न छोड़े, अतिरिक्त मंजिलें खड़ी करे या सड़क तक निर्माण बढ़ा दे ऐसा प्रतीत होता है कि नगर निगम की ओर से उसे खुली छूट मिल जाती है। और अगर किसी जागरूक नागरिक ने शिकायत कर दी, तो निगम की ओर से औपचारिक नोटिस जारी कर फाइल को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

शहर के बीचों-बीच इंदिरा प्रियदर्शिनी पार्क के सामने बन रही एक बहुमंजिला बिल्डिंग इस पूरे खेल की सबसे ताजा और चर्चित मिसाल बन चुकी है। जानकारी के अनुसार 16 दिसंबर 2025 को इस भवन के विरुद्ध नगर निगम में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था कि निर्माण कार्य स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किया जा रहा है। भवन निर्माण में निर्धारित मापदंडों, सेटबैक नियमों और नगर निगम की शर्तों का खुला उल्लंघन किया जा रहा था।

शिकायत मिलने के बाद नगर निगम ने वही किया, जो वह अक्सर करता आया है नोटिस जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली। लेकिन इसके बाद क्या हुआ? यही सबसे बड़ा सवाल है। पांच महीने से अधिक समय गुजर जाने के बावजूद निर्माण कार्य न केवल जारी रहा, बल्कि भवन अब लगभग तैयार होने की स्थिति में पहुंच गया है। इससे साफ संकेत मिलता है कि नगर निगम की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित थी, जमीन पर उसका कोई प्रभाव दिखाई नहीं दिया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि निगम चाहता, तो शुरुआती स्तर पर ही निर्माण कार्य रोक सकता था। लेकिन यहां स्थिति बिल्कुल उल्टी दिखाई देती है। पहले अवैध निर्माण को बढ़ने दिया जाता है, फिर जब भवन आधा या पूरा बन जाता है, तब "नियमितीकरण", "समझौता", "दस्तावेज सुधार" और "तकनीकी प्रक्रिया" जैसे शब्दों की आड़ में मामले को दबा दिया जाता है। यही वजह है कि शहर में अवैध निर्माण करने वालों के हौसले बुलंद हैं।

सूत्रों की मानें तो नगर निगम के भीतर एक ऐसा तंत्र सक्रिय है जो नियमों को लागू करने के बजाय उन्हें "मैनेज" करने में अधिक विश्वास रखता है। आरोप यह भी हैं कि कुछ इंजीनियर, बिल्डर और बिचौलिए मिलकर एक ऐसा नेटवर्क चला रहे हैं जहां भवन निर्माण नियम केवल किताबों तक सीमित रह गए हैं। भवन मालिकों को पहले यह भरोसा दिलाया जाता है कि "काम शुरू कर दो, बाकी सब हो जाएगा।" और बाद में नोटिसों को भी "रूटीन प्रक्रिया" बताकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

शहर में चर्चा यह भी है कि कई निर्माणकर्ताओं को मौखिक रूप से यह तक बता दिया जाता है कि कितनी मंजिल तक "कोई दिक्कत नहीं" होगी और शिकायत आने पर किन अधिकारियों से संपर्क करना है। यदि यह आरोप सही हैं, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि नगर नियोजन व्यवस्था के साथ खुला खिलवाड़ है।

इंदिरा प्रियदर्शिनी पार्क वाला मामला अकेला नहीं है। नागपुर रोड स्थित "शुद्ध इंफ्रास्ट्रक्चर" परियोजना को लेकर भी लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। वहीं गुलाबरा क्षेत्र में बन रहे चार मंजिला भवन को लेकर स्थानीय नागरिकों ने कई बार आपत्ति दर्ज कराई है। लेकिन हर बार वही कहानी दोहराई जाती है शिकायत, नोटिस, जांच और फिर सन्नाटा।

पार्किंग की जगह दुकानों में तब्दील

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह समस्या अब पूरे शहर में फैल चुकी है। छिंदवाड़ा के अधिकांश वार्डों में नियमों को ताक पर रखकर भवन निर्माण किए जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कई जगहों पर आवासीय क्षेत्रों को व्यावसायिक उपयोग में बदला जा रहा है, कहीं पार्किंग की जगह दुकानों में बदल दी गई है, तो कहीं सड़क तक निर्माण कर यातायात बाधित किया जा रहा है।नगर निगम की निष्क्रियता का सीधा असर शहर की यातायात व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। जिन सड़कों को आवागमन के लिए चौड़ा रखा जाना था, वहां अब भवनों के बाहर खड़े वाहन आधी सड़क घेर लेते हैं। सेटबैक नहीं छोड़े जाने के कारण फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहन तक अंदर नहीं पहुंच पाएंगे। लेकिन नगर निगम को शायद इस संभावित खतरे से कोई सरोकार नहीं है।

शिकायत, नोटिस फिर सन्नाटा, निगम की ये कैसी कार्यशैली

बड़े भवन मालिकों पर निगम की विशेष दया, दृष्टि देखने को मिल रही है। अगर कोई शिकायत करें तो शिकायतकर्ता की संतुष्टि के लिए नोटिस दिया जाता है। फिर सन्नाटा छा जाता है। फिर जब खबरों का प्रकाशन होता है या फिर पुनः रिमाइंडर दिया जाता है तब फिर कार्यवाही का जिन्न बाहर आता है फिर एक नोटिस दिया जाता है परंतु स्टे की कोई कार्यवाही नहीं की जाती है। इंजीनियर भी सिंडिकेट बनाकर कार्य कर रहे है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि निगम के कुछ अधिकारी केवल छोटे दुकानदारों और गरीब तबके पर कार्रवाई कर अपनी सक्रियता दिखाते हैं, जबकि बड़े निर्माणकर्ताओं के सामने पूरा सिस्टम नरम पड़ जाता है। यही कारण है कि शहर में यह धारणा मजबूत हो रही है कि नगर निगम में "नियम" नहीं बल्कि "पहचान" और "प्रभाव" काम करता है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर नगर निगम के इंजीनियर और भवन शाखा के अधिकारी नियमित निरीक्षण करते कहां हैं? यदि निर्माण स्वीकृत नक्शे के अनुसार नहीं हो रहा था, तो शुरुआती चरण में कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या निरीक्षण रिपोर्ट केवल फाइलों में तैयार होती रहीं? या फिर सब कुछ जानबूझकर नजरअंदाज किया गया? नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि कई मामलों में शिकायतकर्ताओं को ही बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जबकि निर्माणकर्ता बेखौफ होकर काम जारी रखते हैं। यह स्थिति साफ बताती है कि शिकायत प्रणाली आम नागरिक के लिए केवल औपचारिकता बन चुकी है।

पांच वर्षों में स्वीकृत भवनों की कराई जाए निष्पक्ष जांच

शहर के जानकारों का मानना है कि यदि पिछले पांच वर्षों में स्वीकृत भवनों और वास्तविक निर्माणों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आ सकती हैं। कई ऐसे भवन मिल सकते हैं जिनमें स्वीकृत मानचित्र और वास्तविक निर्माण में जमीन-आसमान का अंतर होगा। लेकिन सवाल वही है जांच करेगा कौन? क्योंकि जिन अधिकारियों पर निगरानी की जिम्मेदारी है, उन्हीं पर मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि अब यह केवल भवन निर्माण का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि शहर की सुरक्षा, यातायात, पर्यावरण और भविष्य की योजना से जुड़ा विषय बन गया है। यदि नियमों को इसी तरह नजरअंदाज किया जाता रहा, तो आने वाले वर्षों में छिंदवाड़ा भी उन अव्यवस्थित शहरों की सूची में शामिल हो जाएगा जहां संकरी गलियों, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण और हादसों के अलावा कुछ नहीं बचता।विडंबना यह है कि एक ओर नगर निगम "स्वच्छ छिंदवाड़ा", "स्मार्ट छिंदवाड़ा" और "सुव्यवस्थित शहर" जैसे बड़े-बड़े दावे करता है, वहीं दूसरी ओर शहर की मूलभूत नगर नियोजन व्यवस्था पूरी तरह चरमराती दिखाई दे रही है। यदि सड़क, पार्किंग, सेटबैक और भवन सुरक्षा जैसे नियम ही लागू नहीं हो पा रहे, तो फिर स्मार्ट सिटी के दावे किस आधार पर किए जा रहे हैं?लोगों का यह भी कहना है कि नगर निगम अब "भवन नियंत्रण संस्था" कम और "नोटिस वितरण केंद्र" ज्यादा बन चुका है। यहां कार्रवाई से ज्यादा समझौते होते हैं और नियमों से ज्यादा व्यवस्थाएं चलती हैं।

बिछुआ में आज होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन, 150 जोड़े बंधेंगे परिणय सूत्र में

बिछुआ। मंगलवार को ब्लॉक कालोनी ग्राउंड बिछुआ में चौरई विधानसभा स्तरीय संयुक्त मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में लगभग 150 जोड़े विवाह बंधन में बंधेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं।इस सामूहिक विवाह सम्मेलन की विशेष बात यह रहेगी कि इसमें विभिन्न धर्मों एवं समुदायों के जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार सम्पन्न कराया जाएगा। हिंदू, मुस्लिम, जनजातीय एवं बौद्ध धर्म के जोड़ों के विवाह हेतु अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे सभी परंपराओं का सम्मान बना रहे।कार्यक्रम में अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य बराती और घराती की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे। सम्मेलन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया है तथा नवविवाहित जोड़ों के स्वागत एवं भोजन व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है। यह आयोजन सामाजिक समरसता, सादगीपूर्ण विवाह एवं सामूहिक सहभागिता का संदेश देगा।

किसानों की सुविधा और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था हमारी प्राथमिकता : शैलेंद्र रघुवंशी

छिंदवाड़ा/चौरई। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र रघुवंशी ने किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं समर्थन मूल्य खरीदी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से क्षेत्र के विभिन्न गेहूं खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों पर तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता एवं किसानों के लिए की गई मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।शैलेंद्र रघुवंशी ने खरीदी केंद्रों पर पीने के पानी, बैठने एवं छाया की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने तौल कांटों की जांच कर खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने एवं खरीदी प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मार्गदर्शन में संगठन किसानों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर मैदान में सक्रिय है। वहीं किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल चावड़ा के नेतृत्व में किसान मोर्चा गांव-गांव पहुंचकर किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रहा है।शैलेंद्र रघुवंशी ने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के नेतृत्व में जिले में संगठन किसानों के हितों की रक्षा एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने एवं उनकी आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों से कहा कि किसानों के साथ संवेदनशीलता और सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल एवं व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जिन खरीदी केंद्रों पर आवक अधिक है, वहां अतिरिक्त तौल कांटे एवं आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जाए, ताकि किसानों को लंबे समय तक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

कोयला खदानों के बंद होने से अनेकों परिवारों का रोज़गार छिना

रोजगार का प्रमुख केंद्र रहे जुन्नारदेव क्षेत्र की कोयला खदानें अब वीरान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

कभी रोजगार का प्रमुख केंद्र रहे जुन्नारदेव क्षेत्र की कोयला खदानें अब वीरान पड़ी हैं। डब्लूसीएल की कई खदानों के बंद होने के बाद अनेकों लोग बेरोजगार हो गए हैं। यह स्थिति क्षेत्र की आर्थिक रीढ़ को तोड़ रही है। जिसके कारण स्थानीय युवाओं के सामने रोजगार का संकट गहरा गया है।

रोज़गार का प्रमुख साधन था कोयलाकोयला खदानों से निकलने वाले कोयलें से क्षेत्र में कोक भट्टे,कोलवाशरी सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्र फल फूल रहे थे ।जिसमें सैकड़ो लोग मज़दूरी करके अपना परिवार का भरण पोषण करते थे। कोयला खदानों के बंद होने से क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर डब्लू सी एल कन्हान एरिया का कोलवाशरी का प्लांट दमुआ अब पूरी तरह उजड़ चुका है। इस कोलवाशरी में सैकड़ों

श्रमिक कार्यरत थे। यहां से शुद्ध हुआ कोयला भिलाई स्टील प्लांट एवं उड़ीसा में सप्लाई होता था। कोलवाशरी के लिए रेलवे लाइन का ट्रैक हिरदागढ़ से दमुआ तक बनाया गया था।

बड़े पैमाने पर यहां का किला सप्लाई होता था। लेकिन निरंतर कोयला खदानें बंद होने से यह भी बंद हो गई। कोयला खदानों में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जुन्नारदेव अन्य ग्रामों के लोग रोजगार से जुड़े थे। खदानों के बंद होते ही मजदूरों को न कोई वैकल्पिक रोजगार मिला, न ही कोई सरकारी पुनर्वास योजना।

स्थानीय युवा हो रहे पलायन को मजबूर

कोयला खदानें बंद होने से क्षेत्र के कई युवा महिला पुरुष रोजगार की तलाश में नागपुर, भोपाल, इंदौर और छत्तीसगढ़ गुजरात, मुंबई जैसे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। कई युवाओं ने निजी कंपनियों में छोटे-मोटे काम शुरू किए हैं। पलायन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार से कोई ना कोई सदस्य बाहर मजदूरी करके रोजगार प्राप्त कर रहे हैं।

सरकार ने नहीं की कोई ठोस योजना

ग्रामीणों और श्रमिक संगठनों का आरोप है कि कोयला खदानों के बंद होने के बाद सरकार ने कोई पुनर्वास नीति लागू नहीं की। क्षेत्र में कोई भी औद्योगिक इकाई नहीं है। ग्रामीण मजदूरों को रोजगार के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ रहा है। बेरोजगारी का असर सिर्फ आर्थिक ही नहीं, सामाजिक भी हुआ है। कई परिवार बच्चों की पढ़ाई छुड़ाकर उन्हें मजदूरी कराने पर मजबूर हैं। स्कूल-कॉलेजों में ड्रॉपआउट की संख्या बढ़ रही है।

पिपलानारायणवार में 5 लाख से अधिक का नुकसान

वार्ड 14 के घर में लगी आग, महिला का आशियाना हुआ राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

बीती रात वार्ड क्रमांक 14 के बावली क्षेत्र में स्थित एक रिहायशी मकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में रेखा बाई ढोके नामक महिला का पूरा घर गृहस्थी का सामान, अनाज और कपड़े जलकर खाक हो गए। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते सब कुछ राख के ढेर में तब्दील हो गया।

जानकारी के अनुसार, जिस समय आग लगी, रेखा बाई घर में अकेली सो रही थीं। उनके दोनों बेटे घर से बाहर गए हुए थे। अचानक आग की तपन महसूस होने पर रेखा बाई की नींद खुली और उन्होंने तुरंत घर से बाहर निकलकर शोर मचाया। शोर सुनकर पड़ोसी जमा हुए और आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग बेकाबू होती गई।

सूचना मिलने पर नगर परिषद पीपला नारायणवार की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित महिला रेखा बाई ने रोते हुए बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं। इस आग ने उनके पास सिर छिपाने की जगह और दो वक्त की रोटी तक नहीं छोड़ी है। रेखा बाई ने बताया कि मेरे पास अब पहने हुए कपड़ों के सिवा कुछ नहीं बचा। अनाज से लेकर घर का सारा सामान जल गया है।

आपसी रंजिश के चलते किसी शरारती तत्व द्वारा लगाई गई हो सकती है। प्राथमिक अनुमान के अनुसार, इस अग्निकांड में लगभग 5 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कैलाश चौधरी और नगर पंचायत के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और सांत्वना दी। आग की घटना को लेकर पुलिस थाने में भी शिकायत की गई है मामले को लेकर पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है। पीड़िता ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी स्थिति को देखते हुए जल्द से जल्द उचित मुआवजा या आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि वे अपने जीवन को फिर से पटरी पर ला सकें।

भगवानदीन जिला सागर साहू समाज द्वारा हुए सम्मानित

छिंदवाड़ा. जिले के सामाजिक कार्यकर्ता एवं राष्ट्रीय तेली पिछड़ा वैश्य महासभा ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष भगवानदीन साहू को मकरोनिया सागर के साहु समाज ने सम्मानित किया । साहू समाज के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि मकरोनिया सागर के सामाजिक लोगों ने संत शिरोमणि माता कर्मा जी के साथ भगवान जगन्नाथ की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की । यह देश का पहला ऐसा मंदिर है जहां माता कर्मा के साथ भगवान जगन्नाथ विराजमान हैं। श्री साहू को अति विशिष्ट सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया ।

प्रत्येक मंगलवार अनुभाग स्तर पर भी गंभीरता से की जाए जनसुनवाई: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन ने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को जिला मुख्यालय की तरह अनुभाग स्तर पर भी जनसुनवाई का आयोजन गंभीरता से किया जाए। इस दौरान संबंधित एसडीएम कार्यालय में सभी विभागों के अनुभाग एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें। निराकरण योग्य शिकायतें जिला स्तर पर तभी आती हैं, जब स्थानीय स्तर पर उनके निराकरण में लापरवाही की जाती है। आगे से इस पर मॉनिटरिंग रखी जाएगी कि किस अनुभाग से निराकरण योग्य शिकायतें भी जिला स्तर पर पहुंच रही हैं और आवेदकों को परेशान होना पड़ रहा है। कलेक्टर श्री नारायन सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आधिकारियों को निर्देश दे रहे थे।

बैठक में अपर कलेक्टर धीरेन्द्र सिंह, एसडीएम छिंदवाड़ा सुधीर जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर व श्रीमती अंकिता त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर पुष्पेंद्र निगम, राहुल पटेल, सुश्री राजनंदिनी सिंह व आर.के.मेहरा और नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के आयुक्त सी.पी.राय सहित जिला प्रशासन व सभी विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिला मुख्यालय के अतिरिक्त अन्य एसडीएम और विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल थे।

बैठक में समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा के साथ ही सीएम हेल्पलाइन, न्यायालयीन प्रकरणों, वरिष्ठ कार्यालयों एवं विभिन्न आयोगों के लंबित पत्रों की भी विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री नारायन ने सीएम हेल्पलाइन सहित सभी शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता और संतुष्टि का विशेष ध्यान रखने और डी ग्रेड वाले अधिकारियों को अभी से कड़ी मेहनत करने के निर्देश दिए।

भेदभाव: सौंसर में 5 सांदीपनी स्कूल, पांढुर्णा में सिर्फ एक

जिला सलाहकार समिति की बैठक में गूंजा अधिकारियों की गैरहाजिरी और गंदे पानी का मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

आज 11 मई को जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में प्रभारी मंत्री प्रद्युम्नसिंह तोमर के समक्ष क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में सबसे अधिक चर्चा सांदीपनी स्कूलों के आवंटन में विषमता को लेकर हुई।

स्कूलों के आवंटन पर उठाए सवाल

सेवानिवृत्त बीईओ योगिराज वानोडे और सुनील राऊत ने तीखा विरोध जताते हुए कहा कि सौंसर में 5 सांदीपनी स्कूल स्वीकृत किए गए हैं, जबकि पांढुर्णा तहसील में मात्र 1 स्कूल दिया गया है। इस नाइंसाफी पर संज्ञान लेते हुए प्रभारी मंत्री ने कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ को पांढुर्णा में 3-4 अतिरिक्त स्कूल स्वीकृत कराने हेतु तत्काल प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष वैशाली महाले ने मुख्यालय में अधिकारियों के न बैठने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई वरिष्ठ अधिकारी छिंदवाड़ा और पांढुर्णा दोनों जिलों का प्रभार संभाल रहे हैं, लेकिन वे पांढुर्णा आते ही नहीं। उन्होंने मांग की कि अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम दो दिन जिला मुख्यालय में बैठने के निर्देश दिए जाएं ताकि जनप्रतिनिधि जनसमस्याएं रख सकें। इन्होंने अमरावती रोड ओवरब्रिज, ट्रेन स्टॉपेज और गोतस्करी जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की।

गंदा पानी और खाद की किल्लत

बैठक में जिला पंचायत सदस्य सुनंदा डोंगरे ने ग्रामीण इलाकों में गंदे पेयजल की आपूर्ति का मामला उठाया, जिस पर प्रभारी मंत्री ने पी.एच.ई. विभाग को 3 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा। वहीं, देविदास राऊत ने किसानों को समय पर खाद न मिलने और डॉ. अनूप जैन ने लोधीखेड़ा में स्कूल निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध न होने की बात रखी।

क्षेत्र में पानी को लेकर राहत के अभी कोई आसार नहीं आ रहे नजर

ब्लॉक कांग्रेस ने की नपा की तालाबंदी, दिया धरना, जलाया पुतला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ परासिया

परासिया में पानी को लेकर आहाकर मचा हुआ है । लोगों को 10 से 12 दिनों में पानी मिल रहा है , वह भी इतना पर्याप्त नहीं होता है , कि लोग इकठ्ठा कर इतने दिन चला सके । इसको लेकर सोमवार को ब्लाक कांग्रेस ने नपा कार्यालय में ताला लगा दिया । धरना दिया , पुतला जलाया और मटकी भी फोड़ी , फिर भी प्रशासनिक रवैये से हाल फिलहाल में पानी की समस्या से राहत मिलने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं ।सोमवार को ब्लाक कांग्रेस कमेटी परासिया के नेतृत्व में पेंच स्टॉफ क्लब परासिया से रैली निकाली गई । जिसमें शामिल कांग्रेस

नेता , पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्थानीय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परासिया नगर पालिका कार्यालय पहुंचे । यहां कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया गया और सभी लोग धरने पर बैठ गए । विधायक सोहन वाल्मीकि ने नगर परिषद , स्थानीय प्रशासन पर जमकर निशाना साधा । उन्होंने कहा की भाजपा भ्रष्ट लोगों को पदों पर बैठा रही है , जो लोग व्यवस्था का सत्यानाश करने से बाज नहीं आते । पिछली परिषद में भी जिसे अध्यक्ष बनाया गया उसे भ्रष्टाचार में लिप्त होने के चलते हटाना पड़ा । वर्तमान परिषद के अध्यक्ष पर भी भ्रष्टाचार के कई आरोप है । उन्हें अभी तक नहीं हटाया गया है , जिसके चलते नगर की सारी व्यवस्था बिगड़ी हुई है । उन्होंने यह भी कहा , कि एस डी एम ने नपा का वित्तीय प्रभार ले रखा है , उन्हें जनता की समस्या से कोई सरोकार नहीं है । नए सी एम ओ को कुछ समझ नहीं रहा । खामियाजा जनता भुगत रही है । ब्लाक अध्यक्ष कमल राय ने कहा , कि राज्य में केंद्र में भाजपा की सरकार है । पिछले दो बार से भाजपा की परिषद है , उसके बावजूद भी परासिया की जनता पानी के लिए हलाकान है । पानी की समस्या से छुटकारा दिलाने के नाम पर करोड़ों रूपये पानी की तरह बहा दिए गए । अगर इनसे व्यवस्थाएं नहीं सम्भल रही है , तो इस्तीफा दे दें । सी एम ओ योगेश बट्टी ने 10 दिनों की मोहलत मांगी है । उन्होंने बताया कि पानी के नए स्रोत तलाशें जा रहे हैं । पी एच ई , बड़कुही और चांदामेटा परिषद से पानी लेने के लिए बात चल रही है । धरने के दौरान प्रशासन का पुतला भी जलाया गया । कार्यक्रम में बड़कुही , न्यूटन और चांदामेटा परिषद के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कोंग्रेसी आंदोलन में शामिल हुए । एहतियात के तौर पर पुलिस भी मौजूद रही ।

पांच वार्डों को चांदामेटा परिषद देगी पानी

ईधर नगर पंचायत चांदामेटा के अध्यक्ष गोविन्द बिजोलिया ने बताया , कि चांदामेटा इंटक कार्यालय में विधायक सोहन वाल्मीकि के साथ परासिया के पांच वार्डों को 2 दिनों के अंतराल में पानी दिए जाने को लेकर चर्चा हुई । सहमति बनी और पानी देने का निर्णय लिया गया है ।

नगरपालिका कुंभकर्णी नींद में, विपक्ष भी बैठा हुआ है मौन

बेलगाम हुआ अतिक्रमण: सड़कों पर सजी दुकानें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

नगर के मुख्य चौराहों और बाजारों में इन दिनों पैदल चलना दूभर हो गया है। दुकानदारों की मनमानी और नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही के चलते सौंसर की मुख्य सड़कें अब दुकानों के गोदाम में तब्दील हो चुकी हैं। बस स्टैंड से लेकर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर चौक तक सड़कों पर इस कदर कब्जा है कि राहगीरों को अपनी जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि दुकानदारों ने अपनी निर्धारित सीमा को पूरी तरह भुला दिया है। कई रसूखदार दुकानदारों ने मुख्य सड़क तक पक्के सीमेंट ओर टीन शेड डाल लिए हैं। साप्ताहिक बाजार चौक सभामंच और चौपाटी के पास की स्थिति तो और भी भयावह है। यहाँ बर्तन,कपड़ा और इंटरप्राइजेज के संचालकों ने पूरी सड़क पर अलमारी, कूलर और भारी सामान फैला रखा है। नतीजा यह है कि आए दिन यहाँ जाम लग रहा है और दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जब वे दुकानदारों को सड़क से सामान हटाने के लिए कहते हैं, तो दुकानदार सहयोग करने के बजाय सीधे विवाद और गाली-गलौज पर उतारू हो जाते हैं। शाम के समय स्थिति 'जंगलराज' जैसी हो जाती है, जहाँ स्कूली छात्र-छात्राओं और बुजुर्गों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

दुकानदारों के मोनोपोली के आगे नपा प्रशासन नतमस्तक

.सौसर नगर के इस बिगड़ते हाल के लिए जनता सीधे तौर पर नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को जिम्मेदार ठहरा रही है। नगर परिषद में भाजपा का पूर्ण बहुमत है और कार्यकाल के साढ़े तीन साल बीत चुके हैं। इसके बावजूद सत्ता पक्ष के पार्षद और जिम्मेदार अधिकारी जनता की समस्याओं को अनसुना कर रहे हैं। ऐसा लगता है जैसे अतिक्रमणकारियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। जहाँ सत्ता पक्ष उदासीन है, वहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस भी नगर में 'मृत अवस्था' में नजर आ रही है। साढ़े तीन वर्षों में कांग्रेस ने जनहित के मुद्दों और बढ़ते अतिक्रमण पर एक बार भी सशक्त आवाज नहीं उठाई, जिससे विपक्ष की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।शिकायतों के बाद भी नपा प्रशासन की चुप्पी यह बताने के लिए काफी है कि उन्हें आम जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। नगरवासियों ने अब दो-टूक मांग की है कि साप्ताहिक बाजार चौक और मुख्य मार्गों से तत्काल अतिक्रमण हटाया जाना चाहिए ताकि भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना घटित ना हो।

कैंप में परचम लहराकर लौटे सौंसर के 20 NCC कैडेट्स

सौंसर। क्षेत्र के युवाओं में देश सेवा का जज्बा अब और भी बुलंद नजर आ रहा है। छिंदवाड़ा में आयोजित एनसीसी कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर और विभिन्न पुरस्कार जीतकर सोमवार को सौसर सांदीपनी स्कूल के साथ मोहगाव, जामसावली, 20 कैडेट्स जब वापस सौसर पहुँचे, तो शहर वासियों ने स्वागत में उमड़ पड़ा। जैसे ही कैडेट्स सौसर बस स्टैंड पहुँचे, नगर वासियों ने उत्साह के साथ उनका अभिनंदन किया। देशभक्ति के नारों के बीच इन होनहारों पर फूलों की वर्षा की गई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन बच्चों की उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। सांदीपनी स्कूल के एनसीसी अधिकारी अरविंद कुमार उइके ने चर्चा के दौरान बताया कि इस 20 दिवसीय कैंप में बच्चों ने कड़ा प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान कैडेट्स को सैन्य कौशल:सरहद पर दुश्मनों से मुकाबला करने की तकनीक और युद्ध कौशल,करियर गाइडेंस सेना,वायुसेना, और पुलिस बल में भर्ती होने के लिए आवश्यक योग्यता और तैयारी की जानकारी दि गई है। कैंप के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं और अनुशासन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए इन 20 कैडेट्स को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रभारी मंत्री ने किया नवीन कलेक्टर कार्यालय सहित अन्य जिला स्तरीय कार्यालय निर्माण स्थलों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने आज 11 मई को पांढुर्णा प्रवास के दौरान जिले में संचालित महत्वपूर्ण विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ विभिन्न निर्माण स्थलों का भ्रमण कर कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री श्री तोमर ने सर्वप्रथम अनाज मंडी परिसर पहुंचकर जिला अस्पताल के स्थानांतरण हेतु प्रस्तावित स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त जिला अस्पताल का निर्माण जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री श्री तोमर ने निर्माणाधीन नवीन कलेक्टर कार्यालय एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने प्रशासनिक अधोसंरचना विकास के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गति लाने एवं गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री तोमर द्वारा पुलिस लाइन परिसर का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन आवासीय भवनों, प्रशासनिक कार्यालय, परेड ग्राउंड एवं प्रशिक्षण मैदान की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं तथा निर्माण गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न रहे। इस दौरान कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ ने उन्हें भवनों के प्रस्तावित नक्शे और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

प्रभारी मंत्री ने मीडिया को वीडियो बनाने से रोका

पांढुर्णा। आज नगरपालिका सभाकक्ष में जिला सलाहकार समिति और समीक्षा बैठक के दौरान वीडियो बना रहे कुछ मीडियावालों को प्रभारी मंत्री प्रद्युम्नसिंह तोमर ने रोक दिया। गौरतलब है कि सलाहगार समिति की सदस्या एवं पूर्व जिला भाजपा अध्यक्षा वैशाली महाले द्वारा पांढुर्णा जिले की कुछ अन्य समस्याओं के साथ जिले से होनेवाली गोवंश तस्करी का मुद्दा जोर शोर से उठाया। इन्होंने कहा कि, जिले के सवरनी और पांढुर्णा से गोवंश तस्करी की खूब शिकायतें प्राप्त हो रही है। पांढुर्णा जिला महाराष्ट्र से सटा हुआ है इसलिए दूसरे राज्य में जाने के लिए यहां अनेक छोटे मोटे रास्ते है। इसका लाभ गोवंश तस्कर उठा रहे है, जिससे पांढुर्णा जिले का नाम बदनाम हो रहा है। वैशाली महाले द्वारा जब यह कथन कहे जा रहे थे तब कुछ मीडियावालों ने वीडियो बनाना शुरू किया। यह देखकर प्रभारी मंत्री प्रद्युम्नसिंह तोमर ने मीडियावालों कों डांटकर वीडियो बनाने से रोक दिया।

ग्रीष्मकालीन वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर में 265 बच्चे हो रहे लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

जुन्नारदेव 38वें ग्रीष्मकालीन वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर में नगर के 8 साल से 18 साल तक के छात्र छात्राएं वॉलीबॉल विद्या का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं मोबाइल के इस युग में जहां मोबाइल हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गया है वही उसके कारण विभिन्न समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है युवा पीढ़ी लगातार विभिन्न गैजेटों के कारण मैदान से दूर हो रही है जिसके कारण वह शारीरिक रूप से दुर्बलता प्रतीत कर रहे हैं शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाने के उद्देश्य से जनजाति कार्य विभाग छिंदवाड़ा एवं खेल एवं युवक कल्याण विभाग छिंदवाड़ा द्वारा संचालित इस शिविर में 265 छात्र-छात्रा इन वालीबॉल विद्या का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। ज्ञात हो इस शिविर का शुभारंभ 1989 में किया गया था तब से लगातार नगर के युवा वॉलीबॉल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जिससे नगर के विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 203 खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है और जुन्नारदेव ने राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश टीम का 11 बार कप्तानी करने का गौरव भी प्राप्त हुआ है वही मध्य प्रदेश की विभिन्न प्रतियोगिताओं में 54 बार विजेता टीम के खिलाड़ी के रूप में जुन्नारदेव के खिलाड़ियों ने भाग लिया है।

शनिदेव जयंती पर श्री खंडेश्वर महादेव समिति द्वारा विशेष पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन

जुन्नारदेव। ज्येष्ठ मास की अमावस्या पर पड़ने वाली शनिचरी अमावस्या के पावन अवसर पर 16 मई 2026 शनिवार को श्री शनिदेव जयंती उत्साहपूर्वक मनाई जाएगी। इस अवसर पर श्री खंडेश्वर महादेव समिति, बावली वार्ड क्रमांक-03 जुन्नारदेव द्वारा विशेष धार्मिक कार्यक्रम एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।समिति द्वारा जारी जानकारी के अनुसार प्रातः 11:00 बजे श्री शनिदेव जी का विशेष पूजन, तैलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 12:00 बजे लोक कल्याण हेतु हवन कार्यक्रम संपन्न होगा। दोपहर 02:00 बजे हवन की पूर्णाहुति के बाद महाआरती आयोजित की जाएगी। वहीं सायं 04:00 बजे से श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण प्रारंभ होगा, जो प्रभु इच्छा तक जारी रहेगा।समिति ने नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

मोहगांवहवेली में आज जनजागरण रैली का आयोजन

सौसर....मोहगाव हवेली क्षेत्र में बढ़ती गौ-तस्करी और प्रशासन की कथित उदासीनता के खिलाफ अब जन-आक्रोश सड़कों पर उतरने को तैयार है। सौंसर विधायक विजय चौरे और आम जनमानस की ओर से मंगलवार, 12 मई को मोहगांव हवेली में एक विशाल जनजागरण रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शन का सबसे अनोखा पहलू पुलिस प्रशासन की आरती' उतारकर किया जाने वाला शांतिपूर्ण विरोध होगा। एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए विधायक विजय चौरे ने सत्ता पक्ष और प्रशासन पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि यह रैली कोई राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि जनता के उस गुस्से की आवाज़ है जो लंबे समय से गौ-तस्करी को देख रही है।विधायक चौरे ने सवाल उठाते हुए कहा:जिस गौमाता को 'माँ' कहकर सत्ता हासिल की गई, आज वही तस्करों के हाथों कत्लखानों तक पहुँच रही है। आखिर 'ट्रिपल इंजन' की सरकार होने के बाद भी हमारी गौमाता सुरक्षित क्यों नहीं है? आज बैल बाजार के नाम पर मोहगांव गौवंश तस्करी का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। विधायक का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी या तो गहरी नींद में सो रहा है या जानबूझकर अनजान बना हुआ है। इसी के विरोध में मंगलवार सुबह 10 बजे बैल बाजार से जनजागरण रैली निकाली जाएगी। इसके पश्चात मोहगांव थाने पहुंचकर पुलिस प्रशासन की आरती उतारी जाएगी और उनसे गौ-रक्षा के लिए विनम्र निवेदन किया जाएगा।विधायक विजय चौरे ने सभी गौ-भक्तों और क्षेत्रीय जनता से इस रैली में अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की है, ताकि गौ-तस्करी के इस अवैध कारोबार पर लगाम कसी जा सके।

अवैध कृषि उपज परिवहन पर मंडी का शिकंजा, तीन वाहनों से वसूले 24 हजार से अधिक

उपमंडी लांजी की कार्रवाई में बिना अनुज्ञा पत्र धान और महुआ परिवहन पकड़ा

हरिभूमि न्यूज लांजी। कृषि उपज मंडी समिति द्वारा अवैध कृषि उपज परिवहन के खिलाफ लगातार सख्ती बरती जा रही है। उपमंडी लांजी क्षेत्र में तीन दिनों के भीतर बिना अनुज्ञा पत्र के कृषि उपज परिवहन करते पाए जाने पर तीन अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यापारियों और वाहन चालकों से कुल 24 हजार 510 रुपये का पांच गुना दांडिक मंडी शुल्क वसूल कर शासकीय खजाने में जमा कराया गया। यह कार्रवाई गोपाल सोनी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं भारसाधक अधिकारी मंडी बालाघाट तथा भानेश्वर प्रसाद तुरकर, सचिव कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के निर्देशन में की गई। वहीं कमलचंद्र सिंहसार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी के मार्गदर्शन में मंडी निरीक्षक वासुदेव बढ़ई, विनोद बंसोड़ एवं सहायक उप निरीक्षक नेलचंद बारबुदे द्वारा डुडवा घाट क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया।मंडी टीम ने 9 मई को वाहन क्रमांक एमपी 50 जेडजे 44710 में 22 क्विंटल धान का परिवहन करते हुए वाहन को पकड़ा। जानकारी के अनुसार भागवत नागपुरे द्वारा बोरी से आमगांव (महाराष्ट्र) के लिए धान ले जाया जा रहा था, लेकिन वाहन चालक के पास आवश्यक मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं मिला। इस पर नियमानुसार 5 हजार 640 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूला गया। इसी प्रकार 10 मई को वाहन क्रमांक एमएच 49 बीजेड 5624 में पिपरवानी से रायपुर (छत्तीसगढ़) ले जाए जा रहे 74 क्विंटल महुआ पर कार्रवाई करते हुए 14 हजार 950 रुपये वर्सले गए। वहीं 11 मई को वाहन क्रमांक एमएच 35 एजे 0417 में कांद्रिकला से बिरसोला (महाराष्ट्र) ले जाए जा रहे 16 क्विंटल धान पर 3 हजार 920 रुपये की दांडिक राशि वसूल की गई। मंडी प्रशासन ने व्यापारियों से अपील की है कि बिना अनुज्ञा पत्र एवं वैध बिल के अधिसंचित कृषि उपजों का परिवहन किसी भी स्थिति में न करें, अन्यथा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की।

द्वितीय नेशनल लोक अदालत में 78 प्रकरणों का हुआ निराकरण

80 लाख 60 हजार 356 रुपये की समझौता राशि प्राप्त हुई

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण व न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमान सतीश के कुशल मार्गदर्शन में 09 मई 2026 शनिवार को तहसील न्यायालय वारासिवनी में श्रीमती कविता इवनाती विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के नेतृत्व में वर्ष 2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः साढ़े 10 बजे व्यवहार न्यायालय वारासिवनी के समस्त न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं अन्य कर्मचारीगण के साथ ही पक्षकारों की उपस्थिति में विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी श्रीमती कविता इवनाती के करकमलों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर पूजन, पुष्प सुमन एवं प्रसाद अर्पित कर किया गया।

नेशनल लोक अदालत में, व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में कुल 08 खण्डपीठों का गठन किया गया, गठित खण्डपीठ जिसमें सेः-खण्डपीठ क्र.17 के पीठासीन अधिकारी जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजयराज ठाकुर की खण्डपीठ से मोटर

दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रकरणों के 01 मामलों का निराकरण किया जाकर 40,000/-रूपये के अवार्ड पारित किये गए। हिन्दू विवाह से संबंधित 02 मामलों का निराकरण किया गया एवं निष्पादनवाद संबंधी 02 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर 809000/-रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार खण्डपीठ में कुल 05 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल 8,49,000/-रूपये के अवार्ड पारित किया जाकर समझौता राशि प्राप्त किये गए। खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता श्रीमती रीना मरार उपस्थित रही।

खण्डपीठ क्र.18 के पीठासीन अधिकारी जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती कविता इवनाती की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रकरणों के 03 मामलों का निराकरण किया जाकर 33,00,000/-रूपये के अवार्ड पारित किये गए। हिन्दू विवाह से संबंधित 02 मामलों का निराकरण किया गया एवं परक्राम्य लिखत अधिनियम से संबंधित 02 मामलों का निराकरण किया जाकर 4,00,000/- रुपये, इस प्रकार खण्डपीठ में कुल 07 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल 37,00,000/- रूपये के अवार्ड पारित किये गए। खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता रणजीत सिंह उपस्थित रहे।

खण्डपीठ क्र.19 के पीठासीन अधिकारी कमलेश्वर मीणा प्रथम ज़िला एवं अपर सत्र न्यायाधीश वारासिवनी की खण्डपीठ से आपराधिक शमनीय प्रकृति के 03 प्रकरण के साथ 232000/- रूपये की समझौता राशि एवं मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति से संबंधित 04 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर 14,90,000/-रुपये की अवार्ड राशि प्राप्त की गई। विद्युत संबंधी विवादों में 09 मामलों का निराकरण किया जाकर 1,47,826 रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। हिन्दू विवाह से संबंधित 02 मामलों का निराकरण किया गया। सिविल प्रकृति के 01 मामले का निराकरण किया गया एवं अन्य प्रकृति के 03 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर 320000/-रुपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार खण्डपीठ में कुल 22 मामलों का निराकरण किया जाकर 2189826/-रूपये समझौता राशि के रूप में प्राप्त किये गए। खण्डपीठ में सुलहकर्ता सदस्य के रूप में अधिवक्ता डुलीचंद डोहरे उपस्थित रहे।

डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे अस्पताल में शुरू हुई नियमित सी-सेक्शन सुविधा

अस्पताल में बदली तस्वीर: अब हर दिन होंगे इमरजेंसी सीजर, गर्भवती महिलाओं को मिली बड़ी राहत

अब प्रसूताओं को नहीं करना पड़ेगा जिला अस्पताल का रुख

हरिभूमि न्यूज लांजी। जिले के लांजी सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर आखिरकार वह बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसका इंतजार क्षेत्र की जनता लंबे समय से कर रही थी। अब अस्पताल में प्रतिदिन इमरजेंसी सीजर ऑपरेशन की सुविधा शुरू हो गई है। पहले जहां डॉक्टरों की कमी के कारण केवल सप्ताह में एक दिन ही प्लानिंग के तहत सीजर ऑपरेशन हो पाते थे, वहीं अब हालात बदल गए हैं। नई व्यवस्था लागू होने से गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली है।

अब तक लांजी सिविल अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी सबसे बड़ी समस्या बनी हुई थी। सीजर ऑपरेशन के लिए जिला चिकित्सालय से डॉक्टर बुलाए जाते थे, जिसके चलते सप्ताह में केवल एक दिन ही ऑपरेशन संभव हो पाता था। अचानक प्रसव पीड़ा या गंभीर स्थिति बनने पर महिलाओं को तत्काल जिला अस्पताल रेफर करना पड़ता था। कई बार रास्ते की दूरी और समय की देरी मरीजों के लिए भारी पड़ जाती थी। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं और उनके परिवारों को आर्थिक, मानसिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। परिजन एम्बुलेंस और इलाज की चिंता में परेशान रहते थे।

सिविल अस्पताल लांजी के चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराडे ने बताया कि पूर्व में जिला चिकित्सालय से चिकित्सक सप्ताह में एक बार आकर सीजर ऑपरेशन करते थे, लेकिन अब प्रदेश सरकार द्वारा डॉ मयंक मेश्राम की पदस्थापना लांजी अस्पताल में की गई है। इसके चलते अब यहां नियमित रूप से इमरजेंसी सीजर ऑपरेशन किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अत्यधिक क्रिटिकल मामलों में ही मरीजों को रेफर किया जाएगा, अन्यथा अधिकांश प्रसुताओं का इलाज अब लांजी में ही संभव हो सकेगा।

नई व्यवस्था के तहत ग्राम मनेरी निवासी प्रसूता महिला काजल आसटकर, पति राहुल आसटकर का सफल सीजर ऑपरेशन सिविल अस्पताल लांजी में किया गया। ऑपरेशन सफल होने के बाद परिवार ने अस्पताल की व्यवस्था और चिकित्सकों की सराहना की। राहुल आसटकर ने बताया कि पहले ऐसी स्थिति में जिला अस्पताल जाना पड़ता था, लेकिन अब लांजी में ही सुविधा मिलने लगी है, जो ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए बहुत बड़ी राहत है। अस्पताल में शुरू हुई यह सुविधा अब क्षेत्र की मातृ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नई उम्मीद बनती दिखाई दे रही है।

नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाले प्रीतम व रविशंकर को न्यायालय ने भेजा जेल

शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी में लेब अडेंटेड की नौकरी लगवाने पीयूष से लिए थे 3 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी और जिले के अन्य महाविद्यालयों में नौकरी लगवाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के मुख्य सरगना प्रीतम डहरवाल और उसके साथी रविशंकर कबीरे को न्यायालय ने जेल भेज दिया है।

विदित हो कि वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम कटंगझरी निवासी शिकायतकर्ता पीयूष राऊत ने 25 अप्रैल 202 को प्रीतम लाल डहरवाल व रविशंकर कबीरे के खिलाफ वारासिवनी पुलिस थाने में शिकायत की थी कि दोनों ने शासकीय महाविद्यालय में आऊट सोर्स कर्मी के रुप में लेब अटेंडेंट व लेब टेक्निशियन के पद पर नौकरी दिलवाने के नाम पर 3 लाख रुपये की मॉग की थी। जिस पर उसके द्वारा 17 फरवरी 2025 को 2 लाख 75 हजार रुपये नगद रविशंकर कबीरे के माध्यम से प्रीतमलाल डहरवाल को दिए थे। उसके बाद 25 फरवरी 2025 को 25 हजार रुपये रविशंकर कबीरे के मोबाईल नम्बर पर फोन पे के माध्यम से दिया था।

शिकायत अनुसार दोनों ने 8 दिनों के अंदर नियुक्ति पत्र मिलने की बात कही थी। लेकिन उसके बाद उनके द्वारा नियुक्ति पत्र देने में टालमटोल किया जाने लगा। जब मेरे द्वारा बार-बार बोला गया, तो 7 अक्टूबर 2025 को प्रीतमलाल डहरवाल द्वारा एक लाख रुपये का चेक अपनी पत्नि के नाम का सेन्ट्रल बैंक का दिया गया। जिसे मैने अपने खाते में जमा करवाया हूँ। लेकिन 2 लाख रुपये की राशि उनके द्वारा आज तक नहीं दी गई है।

इस शिकायत के बाद वारासिवनी पुलिस ने जॉच करते हुए एक मई को प्रीतमलाल डहरवाल को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की गई और उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 181/26 भारतीय न्याय संहिता की धारा 318/4 और 3, 5 के तहत मामला दर्ज किया कर न्यायालय में पेश कर 6 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया था। इस दौरान पुलिस ने उससे पूछताछ की और फिर 4 मई को पुलिस ने उसके सहयोगी रविशंकर कबीरे को भी गिरफ्तार कर लिया और उसे भी 2 दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की और उसके बाद न्यायालय में पेश किया। जहॉ से न्यायालय ने प्रीतमलाल डहरवाल व रविशंकर कबीरे को जेल भेज दिया है।

जानकारी अनुसार पुलिस द्वारा प्रीतमलाल डहरवाल व रविशंकर कबीरे से पूछताछ के दौरान उनके फोन पे नंबर पर ट्रांसफर की गई रकम, अन्य तकनीकी साक्ष्यों और बैंक ट्रांजेक्शन आदि के सबूत एकत्रित किए गए। वहीं इस दौरान पीयूष से ठगी गई रकम, नौकरी लगाने के लिए बनाए गए फर्जी दस्तावेज और प्रमाण पत्र भी दोनों के पास से बरामद किए गए है।

उल्लेखनीय है कि आरोपी प्रीतमलाल पिता शीतल प्रसाद डहरवाल 46 वर्ष वारासिवनी नगर के वार्ड नम्बर 1 और रविशंकर कबीरे 31 वर्ष ग्राम सिहारी लांजी क्षेत्र का निवासी है और दोनों ही शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी में आऊटसोर्स कर्मी के रुप में कार्यरत है।

खबर संक्षेप

मदनलाल टेम्भरे को पी-एच.डी अवार्ड

हरिभूमि न्यूज सिवनी। स्थानीय डी. पी. चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय, सिवनी के शिक्षा संकाय मे कार्यरत सहायक प्राध्यापक प्रो. एम. एल. टेम्भरे को सकारात्मक उपचार के माध्यम से तनाव, अवसाद एवं क्रोध का प्रबंधन तथा मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि पर दिनांक 09/04/2026 को मनोविज्ञान विषय में पी-एच.डी. आई.ई.एस. विश्वविद्यालय भोपाल, (म. प्र.) से प्रदान की गई।
यह शोधकार्य डॉ. योगेन्द्रनाथ चौबे के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया। डॉ. टेम्भरे की यह महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि उनके सतत परिश्रम, समर्पण एवं शोध के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस शोध प्रबंध से छात्रों में आने वाले मानसिक अवसास से लडने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. के. के. चतुर्वेदी एवं प्राचार्य डॉ. अमिता चतुर्वेदी सहित समस्त स्टाफ ने डॉ. टेम्भरे को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर शैक्षणिक उन्नति की कामना की।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना मिड करियर ट्रेनिंग में होगी शामिल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 11 मई 2026 से 05 जून 2026 तक आयोजित मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने हेतु चयनित किया गया है। प्रशिक्षण अवधि के दौरान भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2020 बेंच के अधिकारी श्री अनिल कुमार राठौर, कार्यकारी संचालक मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर को कलेक्टर सिवनी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शासन द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं।

ग्रीष्म कालीन मासिक योग शिविर में हुआ चमत्कार

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्य प्रदेश योगासन स्पोर्टस एशोशियसन सिवनी एवं महर्षि पतंजलि योग साधना भवन ओर से दिनांक 1 मई से 31 मई तक चल रहे बालक युवा वृद्ध सभी वर्ग के लिए चल रहे योगासन प्राणायाम, एवं ध्यान अति इर्न्द्रियशक्ति और व्यक्त्वि के विकास को कैसे विकसित किया जाए इन विन्दुवो पर योग भवन बारापत्थर में चल रहे योग शिविर में आजअति विशेष अतिथि कु,सौम्या ठाकुर उम्र 11. एवं मान्या ठाकुर ने शिविर में किया अपनी प्रायोगिक योग शक्ति का चमत्कार सिवनी स्थिति योग भवन में उपस्थित, शिविरार्थी हो गये दंग। सौम्या ठाकुर ने बंद आंख से पहचाना शिविर में उपस्थित लोगो के आधारकार्ड, पेनकार्ड, मोबाइल में उपस्थित विभिन्न प्रकार के फोटो उनके कलर इत्यादि बिना देखे बता देना ।

आकाशीय बिजली से 15 वर्षीय बालक झुलसा

हरिभूमि न्यूज सिवनी। अरी थाने अंतर्गत ग्राम पाडायेर(मोहगांव)निवासी जीत मसराम पिता सुरेंद मसराम अपनी बकरियों को चराने बीते दिवस 8 मई को जंगल की ओर ले गया था वहां आकाशीय बिजली के संपर्क में आने से बेहोश हो गया साथ में ही बकरिया की तुरंत मौत हो गई घरवालों को खबर लगने के बाद तुरंत जिला सिवनी ले गए वर्तमान में अभी इलाज चल रहा है जानकारी लगने पर जिला हॉस्पिटल में बच्चे को देखने सामाजिक कार्यकर्ता दामोदर राव दोनारकर ने इलाज के बारे में पूछा तो परिवार ने बताया कि यहां पर बराबर बच्चे का इलाज सही नहीं हो रहा जिसके कारण हम चिंता में है गरीब आदिवासी बच्चे का हाल चाल पूछने कोई भी प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधि नहीं पहुंच पाया है दुर्भाग्य है कि बरघाट विधान सभा आदिवासी समाज के लोगों द्वारा इस विधान सभा का प्रतिनिधत किया जा रहा है किंतु इस गरीब आदिवासी बच्चे की कोई खोज परख नहीं है परिवार ने मांग की है कि बच्चे का अच्छा इलाज हो एवं प्रशासन से आर्थिक मदद प्रदान की जावे।

चार वर्षों से अनुकंपा नियुक्ति के लिए भटक रहा मृत शिक्षिका का बेटा, हाईकोर्ट आदेश के बाद भी नहीं मिला न्याय

हाईकोर्ट आदेश के बाद भी फाइल अटकी, प्रशासन कब जागेगा?

बरघाट। सिवनी जिले के बरघाट तहसील अंतर्गत ग्राम धारना कला निवासी साहिल खान पिछले लगभग चार वर्षों से अपनी दिवंगत माता की अनुकंपा नियुक्ति के लिए विभागों और अधिकारियों के चक्कर काट रहा है, लेकिन आज दिनांक तक उसे नियुक्ति नहीं मिल सकी है। मामला अब प्रशासनिक लापरवाही और संवेदनहीनता पर सवाल खड़े कर रहा है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार साहिल खान की माता स्वर्गीय शाहजहां खान शासकीय प्राथमिक शाला पौनार कला में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ थीं। सेवा काल के दौरान 24 अक्टूबर 2021 को उनकी असमय मृत्यु हो गई थी। माता की मृत्यु के बाद शासन की अनुकंपा नियुक्ति योजना के तहत साहिल खान ने 7 अगस्त 2022 को विधिवत आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज भी जमा किए गए थे।क्षसाहिल खान का कहना है कि शिक्षा विभाग द्वारा उनके आवेदन की प्रक्रिया पूरी करते हुए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी कर प्रकरण जिला कलेक्टर कार्यालय भेज दिया गया था। इसके बावजूद आज तक नियुक्ति नहीं दी गई। परिवार का आरोप है कि विभागीय स्तर पर लगातार टालमटोल की जा रही है।
मामले में सामान्य प्रशासन विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्रों में यह उल्लेख किया गया कि संबंधित वर्ग में सहायक ग्रेड-3 के रिक्त पद उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण नियुक्ति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। हालांकि शासन स्तर से अन्य विभाग में रिक्त पद पर

नियुक्ति दिए जाने हेतु अनापत्ति भी प्रदान की गई थी।

हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

इधर लंबा समय बीत जाने और कोई समाधान नहीं निकलने पर साहिल खान ने माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की शरण ली। याचिका क्रमांक 3794/2024 में सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने 26 फरवरी 2024 को संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजना एवं सेवा शर्तों के अनुरूप आवेदक के प्रकरण पर नियमानुसार विचार कर निर्धारित समयावधि में निराकरण किया जाए। इसके बाद भी साहिल खान को अब तक अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिल सकी है। साहिल खान ने बताया कि उनके माता-पिता दोनों का निधन हो चुका है तथा परिवार में केवल वह और उनकी छोटी बहन हैं। बेरोजगार हैं और आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। परिवार के सामने रोजमर्रा के खर्च और पालन-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। आवेदक ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि उनकी दिवंगत माता ने सेवा पुस्तिका में उन्हें नामांकित उत्तराधिकारी बनाया था, इसलिए अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने में कोई विधिक बाधा नहीं है। इसके बावजूद वर्षों से मामला लंबित पड़ा हुआ है। साहिल खान ने शासन और प्रशासन से मानवीय आधार पर शीघ्र अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से पूरी तरह टूट जाएगा। अब देखना यह होगा कि हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद भी लंबित पड़े इस मामले में प्रशासन कब तक निर्णय लेता है और पीड़ित परिवार को राहत मिल पाती है या नहीं।

अच्छी खबरः पेंचव्हेली ट्रेन से व्हाया नैनपुर जबलपुर के लिए मिलेगा सीधा कनेक्शन

मण्डला-नैनपुर-जबलपुर पैसेंजर ट्रेन के समय सारणी में बदलाव

छिंदवाड़ा जिला,सिवनी जिला और केवलारी विधानसभा क्षेत्र के रेल यात्रियों को मिलेगा फायदा

केवलारी जागरूक नागरिक मंच ने दिनांक 4 अप्रैल 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के डी आर एम दीपक कुमार गुप्ता को केवलारी नागरिक जागरूक मंच के हाजी रफीक खान,सुधीर पाण्डे,मनीष जैन, राकेश आत्मपूज्य, पवन यादव,रामनरेश दुबे,बबलू खान,राजू मेहरा,स्वप्निल उपाध्याय,प्रवीण दुबे,कृष्ण कुमार प्रजापति,मनीष अवस्थी,पवन बघेल,धरमचंद जैन संस्कार तिवारी ने दो ट्रेनों के समय सारणी में परिवर्तन करने की माँग की गयी थी,इन माँगों को डी आर एम दीपक कुमार गुप्ता के द्वारा छिन्दवाड़ा, सिवनी, केवलारी क्षेत्र की जनता को एक नयी ट्रेन सुविधा सुलभ साधन जबलपुर जाने के लिये उपलब्ध कराया गया।जिससे आमजन,रेलयात्रियों को लाभ मिलेगा । इस नए रेल-कनेक्शन से पेंचव्हेली एक्सप्रेस ट्रेन के सुबह नैनपुर पहुँचने के बाद ही मण्डला नैनपुर जबलपुर पैसेंजर ट्रेन छूटेगी। छिंदवाड़ा, सिवनी, केवलारी, के रेलयात्रियों को मिलेगा फायदा,इस अवसर पर केवलारी जागरूक नागरिक मंच एवं क्षेत्रवासियों के द्वारा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव,सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते जी,G M तरूण प्रकाश जी,और डी आर एम दीपक कुमार गुप्ता,सीनियर डी सी एम दिलीप नाग का आभार प्रकट किया है।

एमएसपी गेहूं खरीदी में अव्यवस्था पर जिला पंचायत सदस्य ने उठाई आवाज, मुख्यमंत्री से द्वितीय स्लॉट बुकिंग की मांग

समर्थन मूल्य पर जारी गेहूं खरीदी व्यवस्था में किसानों को हो रही परेशानियों को लेकर जिला पंचायत सदस्य घनश्याम सनोडिया ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर सिवनी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में किसानों के लिए द्वितीय एवं नवीन स्लॉट बुकिंग सुविधा शुरू करने की मांग की गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

ज्ञापन में बताया गया कि खरीदी केंद्रों पर प्रतिदिन 3000 क्विंटल गेहूं खरीदी होना चाहिए, लेकिन अधिकांश केंद्रों में 1000 क्विंटल से भी कम खरीदी हो पा रही है। खरीदी कार्य देर से शुरू होने, बारदाना एवं हमालों की कमी के कारण केंद्रों पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। कई स्थानों पर 100 से 400 तक ट्रैक्टर लाइन में खड़े हैं और किसानों को एक ट्रॉली तुलवाने में 5 से 10 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। घनश्याम सनोडिया ने मांग की है कि वर्तमान में 7 दिन की स्लॉट अवधि किसानों के लिए पर्याप्त नहीं है, इसलिए पूर्व वर्षों की तरह द्वितीय स्लॉट बुकिंग की सुविधा पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन किसानों के स्लॉट अब तक बुक नहीं हो पाए हैं, उनके लिए नवीन स्लॉट बुकिंग भी शुरू की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो किसान सड़क पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

11 वर्षों में भी नहीं हुआ थोक मंडी का विकास

किसान एवं व्यापारियों को यहां पर बैठने के लिए भी कक्ष नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

सिवनी। नगर में बढ़ती आबादी को देखते हुए नगर पालिका के बाजू में लगने वाली थोक सब्जी मंडी को वर्ष 2015 में कलेक्टर भारत यादव द्वारा स्थानांतरण करते हुए नागपुर रोड स्थित कृषि फार्म के बाजू में प्रारंभ किया गया था इस दौरान उन्हें आश्वासन दिया गया था कि नई सब्जी मंडी में व्यापारियों को वे सारी सुविधाएं प्रदान की जाएगी जो महानगरों में होती है लेकिन देखने में आया कि 11 साल गुजर जाने के बावजूद भी यहां पर व्यापारियों को सिर्फ स्थाई दुकान के रूप में भवन तो मिले हैं लेकिन अन्य सुविधाओं के लिए आज तक कोई पहल नहीं की गई जिससे लोग परेशान हैं।

इस थोक सब्जी मंडी में प्रतिदिन अनेक गांव से किसान सब्जी एवं फल लेकर आते हैं लेकिन उन्हें ना तो गर्मी में छांव ना बरसात में पानी से बचने के लिए कोई साधन यहां उपलब्ध है एवं ठंड में भी वे यहां पर सुबह से आ जाते हैं लेकिन यहां पर उन किसानों की शुद्ध लेने के लिए कोई नहीं है।
ज्ञातव्य है कि यह थोक सब्जी मंडी कृषि उपज मंडी के अधीनस्थ है और इसकी देखरेख का दायित्व सचिव को सोपा गया है लेकिन देखने में आया कि वर्तमान सचिव श्री चौधरी ने दुकानदारों की समस्या को लेकर कभी कोई चर्चा नहीं की जिसके कारण व्यापारी समस्याओं से जूझ रहे हैं।
शहर एवं गांव से आने वाले लगभग 500 से अधिक व्यापारी एवं किसान यहां पर सब्जी फल का लेनदेन करते हैं इस कार्य में उन्हें लंबा समय लगता है लेकिन देखने में आया कि यहां पर शौचालय तो बना है लेकिन उसमें ताला जड़ा हुआ है ना तो इन लोगों के लिए पीने की बात के पानी की व्यवस्था है और ना ही बैठने के लिए कोई ऐसा कक्षा जहां पर भी पल भर गुजार सके।
मंडी प्रांगण में सफाई न होने के कारण आवारा पशु विचरण करते रहते हैं एवं दिनभर मल मूत्र विसर्जित करते हैं लेकिन यहां पर सफाई की स्थाई व्यवस्था न होने के कारण गंदगी से शराब और है इस संबंध में जिला प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि वह यहां पर आकर यहां की समुचित व्यवस्था को लेकर पहल करें
इतना ही नहीं गर्मी के बाद बारिश में पानी की निकासी न होने के कारण यहां पर पानी भर जाता है एवं कीचड़ हो जाने के कारण वहां तो दूर की बात लोगों को पैदल आवागमन में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है । जिसको लेकर भी कदम उठाया जाना जनहित में होगा।

डंपर की टक्कर से पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा पलटी, एक की मौत, चार घायल

सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र अंतर्गत रूपदोंन गांव के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने पिकअप को टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर से पिकअप अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे गड्ढे में जा पलटी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। टक्कर मारने वाला डंपर चालक वाहन छोडक़र मौके से फरार हो गया। घटना रविवार सुबह 10 बजे की है। पीएम के बाद दोपहर 3 बजे परिजनों ने मृतक का शव सडक़ पर रखकर मंडला-लखनादौन मार्ग पर जाम लगा दिया और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

घंसौर की ओर जा रहे थे पिकअप सवार

मिली जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन में सवार लोग अतरिया ग्राम से घंसौर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रूपदोंन गांव के पास सामने से आए डंपर वाहन ने पिकअप को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन सडक़ से नीचे उतरकर गड्ढे में पलट गया। हादसे के बाद मौकेपर चीख-

पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण तत्काल सहायता के लिए पहुंचे।
स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस के एमएमटी मनीष रैकवार और चालक संदीप मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को वाहन से बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता प्रदान की और सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया,जबकि अन्य चार घायलों का इलाज जारी है। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक की पहचान संतोष काकोडिया (20) के रूप में हुई है। घायलों में राहुल उइके (26), सतेंद्र आर्मो (21), हिमेश आर्मो (23) और शैलेंद्र शामिल हैं।
घटना की सूचना मिलते ही घंसौर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फरार डंपर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।
इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सडक़ सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने मृतक का शव सडक़ पर रखकर मंडला-लखनादौन मार्ग पर जाम लगा दिया और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। दरअसल, संबंधित डंपर वाहन झाबुआ पावर प्लांट में इस्तेमाल किया जा रहा था। पीएम के बाद दोपहर करीब 3 बजे ग्रामीणों ने मृतक का शव सडक़ पर रखकर मंडला-लखनादौन मार्ग पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने घायलों के लिए 5-5 लाख रुपए और मृतक के परिजनों के लिए 50 लाख रुपए मुआवजे की मांग की। लगभग दो घंटे तक मार्ग बंद रहा। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार डंपर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

नवागत पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने ली जिले की पहली क्राइम मीटिंग

अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

सिवनी। नवागत पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा जिला पुलिस कंट्रोल रूम में पदभार ग्रहण करने के उपरांत पहली अपराध समीक्षा बैठक (क्राइम मीटिंग) आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों तथा अन्य पुलिस अधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए जिले की कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ सुना जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में त्वरित एवं वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।
पुलिस अधीक्षक द्वारा लंबित अपराधों, शिकायतों एवं विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने लंबित

समंस एवं वारंटों की तामीली में तेजी लाने तथा गुमशुदा बालक-बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। महिला संबंधी अपराधों के मामलों में विशेष संवेदनशीलता बरतने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक मामले की जांच गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ की जाए।
बैठक में जिले में संचालित अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु भी कड़े निर्देश जारी किए गए। पुलिस अधीक्षक ने मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री, अवैध शराब, जुआ-सट्टा, गौवंश तस्करी तथा अन्य असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त शासन द्वारा संचालित विभिन्न अभियानों एवं योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आमजन में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करना एवं पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), रक्षित निरीक्षक, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं सूबेदार उपस्थित रहे।

घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग अभियान अंतर्गत योग प्रशिक्षण सत्र का हुआ आयोजन

सिवनी। शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा के मार्गदर्शन में घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग अभियान अंतर्गत जिले में प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे ऑनलाइन योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. यशवंत माथुर ने बताया कि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं आयुर्वेद चिकित्सालयों में जूम मीटिंग तथा यूट्यूब लिंक के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि अभियान अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर मारबोड़ी, जाम, कातलबोड़ी, हिनोतिया, बखारी, चक्की खमरिया, विजयपानी, गोसाई खमरिया, सिहोरा, भिलाई, आष्टा, सरेखा कला, भोमा तथा आयुर्वेद चिकित्सालय लखनादौन में योग प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। योग प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को योग एवं प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ एवं निरोगी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सभी केंद्रों पर स्वच्छता, इंटरनेट व्यवस्था एवं प्रतिभागियों की उपस्थिति सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम की नियमित मॉनिटरिंग संबंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है।
जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस अभियान से जुडक़र नियमित योग अभ्यास को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएं।

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आयोजित

सिकल सेल के चिन्हांकित मरीजों की यूडीआईडी बनाने तथा नियमानुसार पेंशन प्रगति की भी समीक्षा करते हुए शत प्रतिशत पात्र मरीजों को इसका लाभ देने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज सिवनी। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा संचालित योजनाओं, लंबित प्रकरणों तथा शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विभागवार विस्तृत समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर सुश्री खंडायत ने 50 दिवस एवं 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्प लाइन में दर्ज शिकायतों का गुणवत्तायुक्त निराकरण सुनिश्चित किया जाए साथ ही जिन शिकायतों में नियमानुसार कार्रवाई संभव नहीं है, उनके संबंध में विधिवत परीक्षण कर फोर्स क्लोज के प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को समय पर भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सीपी ग्राम में दर्ज शिकायतों को भी समय सीमा पर कार्यवाही कर संतुष्टी से बंद कराने के निर्देश दिये।
बैठक में अपर कलेक्टर ने जनगणना 2027 के अंतर्गत जारी मकान सूचीकरण अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सभी चार्ज अधिकारियों को जनगणना कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराने के लिए प्रगणक एवं सुपरवाईजर के कार्यों को सतत रूप से मॉनिटर करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के दौरान कोई भी मकान एवं परिवार की जानकारी न छूटे यह सुनिश्चित किया जाए। अपर कलेक्टर ने स्कूलों में दर्ज बच्चों की जानकारी लेते हुए घर-घर जाकर बच्चों का स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने छात्रावासों के निरीक्षण प्रगति की भी समीक्षा करते हुए निर्धारित बिंदुओं अनुरूप भौतिक सत्यापन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अपर कलेक्टर सुश्री खंडायत ने कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं उपचार संबंधी कार्यवाही के संबंध में महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए कि जिले के सभी एनआरसी केंद्र की क्षमतानुरूप कुपोषित बच्चों को दर्ज करते हुए आवश्यक उपचार कराया जाए साथ ही बच्चों के परिजनों की भी मार्गदर्शन दिया जाए। इसी तरह सिकल सेल के चिन्हांकित मरीजों की यूडीआईडी बनाने तथा नियमानुसार पेंशन प्रगति की भी समीक्षा करते हुए शतप्रतिशत पात्र मरीजों को इसका लाभ देने के निर्देश सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए नियमित रूप खंड स्तर पर संयुक्त बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।
अपर कलेक्टर सुश्री खंडायत ने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने विभागों के अंतर्गत जर्जर एवं अनुपयोगी भवनों की अद्यतन जानकारी संधारित कर शीघ्र प्रस्तुत करने तथा ऐसे भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि संभावित दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को अनुकंपा नियुक्तियों के प्रकरणों को भी त्वरित रूप से निराकृत कर संबंधितों की नियुक्ति संबंधी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

एसडीओपी ने कहा जांच जारी है, सबूत मिलने पर प्रेमिका पर भी कसेगा कानून का शिकंजा

तरुण हत्याकांड में प्रेमिका पर भी होगी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के तरुण लिल्हारे हत्या मामले में एक नया खुलासा हुआ है। जिस लड़की की शादी में तरुण गया था, उसने पुलिस के सामने कबूल किया है कि वह तरुण को पहले से जानती थी। अब पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि उनके बीच असल में क्या रिश्ता था।

जांच में यह बात सामने आई है कि जिस दिन लड़की की शादी थी, उस दिन तरुण और उसके बीच कई बार फोन और वीडियो कॉल पर बातचीत हुई थी।

आरोप है कि लड़की ने ही तरुण को शादी में बुलाया था, जिसके बाद वह वहां पहुंचा था। पुलिस ने लड़की और तरुण, दोनों के मोबाइल फोन साइबर जांच के लिए भेज दिए हैं, ताकि उनकी बातचीत का पूरा ब्यौरा मिल सके।

5 मई की रात जब तरुण शादी में पहुंचा, तो लड़की के भाइयों और उनके दोस्तों ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। जुर्म छुपाने के लिए आरोपियों ने तरुण की लाश को उसकी गाड़ी के साथ सड़क किनारे फेंक दिया ताकि सबको यह सड़क हादसा लगे। हालांकि, पुलिस की जांच में यह साजिश पकड़ी गई और लड़की के भाइयों समेत पांच लोग पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।

तरुण के भाई अंकित ने मांग की है कि इस मामले में लड़की और उसके साथ शामिल अन्य लोगों पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

एसडीओपी अभिषेक चौधरी का कहना है कि मोबाइल की साइबर रिपोर्ट आने के बाद अगर लड़की की भूमिका संदिग्ध पाई गई, तो उस पर भी कानूनी कार्रवाई होगी। फिलहाल पुलिस हर पहलू को बारीकी से खंगाल रही है।

कांग्रेसियों ने सीएम का फूंका पुतला!

उज्जैन किसान कांग्रेस नेता के जिला बदल के विरोध में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में सोमवार को किसान कांग्रेस ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष भुरू पटेल के नेतृत्व में काली पुतली चौक पर हुआ। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के प्रतीकात्मक पुतले को जलाया। इस दौरान पुलिस और नगरपालिका कर्मियों ने पुतला जलाने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

किसान कांग्रेस उज्जैन के किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष के खिलाफ की गई जिलाबदर की कार्यवाही और दर्ज किए गए प्रकरण से नाराज है। इसी के विरोध में यह पुतला दहन किया गया।

किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष भुरू पटेल ने बताया कि भाजपा सरकार ने विधानसभा चुनाव में किसानों से गेहूं और धान की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को लेकर वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ढाई साल बीत जाने के बाद भी यह वादा पूरा नहीं कर सकी है, जिससे किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल पा रहा है।

पटेल ने कहा कि किसान पहले से ही कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में किसानों की आवाज उठाने वाले उज्जैन जिलाध्यक्ष के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई किसानों की आवाज दबाने जैसा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसान कांग्रेस किसानों की आवाज को दबने नहीं देगी और उनकी समस्याओं को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी।

पुलिस चेकिंग को देखकर शराब तस्कर फरार

कार से 57 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट की गढ़ी थाना पुलिस ने सोमवार को एक कार से 57.240 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस चेकिंग को देखकर तस्कर वाहन समेत भाग निकला और बाद में कार को खेत में छोड़कर भाग गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर आबकारी एक्ट में केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि बैहर की ओर से एक सिल्वर रंग की कार (सीजी04एच3606) में अवैध शराब ले जाई जा रही है। खुर्सीपार खजरा तिराहे पर जब पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, तो चालक चेकिंग पॉइंट पार कर पास के गांव की ओर भागने लगा। इसके बाद पुलिस के पीछा करने पर आरोपी वाहन को गांव के बाहर एक खेत में छोड़कर भाग गया।

गढ़ी थाना प्रभारी योगेश कुमरे ने बताया कि जब लावारिस मिली कार की तलाशी ली गई, तो उसमें से अंग्रेजी शराब के 7 कार्टून मिले। बरामद शराब की कुल मात्रा 57.240 लीटर मापी गई है। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त कार को अपने कब्जे में ले लिया है।

जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत 63,918 रुपए और कार की कीमत करीब 1.64 लाख है। इस कार्रवाई में एएसआई चंदनलाल तेलासे सहित आरक्षक नागवेन्द्र पांडे, शुभम सेन और अन्य पुलिसकर्मियों की मुख्य भूमिका रही। पुलिस फरार आरोपी की पहचान के लिए वाहन स्वामी के दस्तावेजों की जांच कर रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका ने चलाया व्यापक स्वच्छता अभियान

मोती तालाब से खरपतवार और कचरा हटाने का अभियान तेज

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट नगर में जल स्त्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। "जल गंगा संवर्धन अभियान" एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत सोमवार को मोती तालाब एवं गार्डन परिसर में व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर के प्रमुख जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, स्वास्थ्य सभापति श्रीमती संगीता खगेश कावरे तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उइके विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुबह से प्रारंभ हुए इस विशेष सफाई अभियान के दौरान मोती तालाब परिसर, गार्डन क्षेत्र, घाटों एवं आसपास के मार्गों की गहन सफाई की गई। नगर पालिका के सफाई दल ने तालाब किनारे फैले प्लास्टिक कचरे, पॉलीथिन, सूखी पत्तियों एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया। इसके साथ ही तालाब में फैली जलकुंभी और खरपतवार को निकालकर जल स्त्रोत को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने का प्रयास किया गया। अभियान के दौरान नगर पालिका की टीम ने नागरिकों को गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण, प्लास्टिक उपयोग कम करने तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में भी जानकारी दी।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने नागरिकों से शहर और जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। स्वास्थ्य सभापति श्रीमती संगीता खगेश कावरे ने कहा कि जल स्त्रोतों का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद जरूरी है और इसके लिए जन भागीदारी आवश्यक है। वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्यप्रकाश उइके ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन के लिए नगर पालिका लगातार विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां संचालित कर रही है तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से तालाबों के संरक्षण और जल संवर्धन पर विशेष कार्य किए जा रहे हैं।

आत्मा गवर्निंग बोर्ड एवं जिला स्तरीय निगरानी समिति की संयुक्त बैठक 13 मई को

बालाघाट। भारत सरकार सहायतित "सबमिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (SMAE) 'आत्मा'" अंतर्गत आत्मा गवर्निंग बोर्ड एवं नेशनल मिशन ऑफ नेचुरल फार्मिंग के तहत जिला स्तरीय निगरानी समिति (DLMC) की संयुक्त बैठक का आयोजन 13 मई 2026, बुधवार को किया जाएगा। बैठक का आयोजन प्रातः 11:00 बजे से कलेक्टर एवं सह-पदेन अध्यक्ष, गर्वनिंग बोर्ड आत्मा श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया जाएगा। बैठक में कृषि विस्तार योजनाओं, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों को दी जा रही विभिन्न सुविधाओं एवं विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आगामी कार्ययोजना पर भी चर्चा की जाएगी।

पराली जलाने पर रोक की तैयारी तेज, बिना एसएमएस सिस्टम वाले हार्वेस्टरों पर प्रशासन की नजर

लांजी में हार्वेस्टर मालिकों की बैठक, पंजीयन और नियम पालन के दिए गए निर्देश

हरिभूमि न्यूज लांजी। लांजी क्षेत्र में पराली प्रबंधन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को कार्यालय अनुविभागीय कृषि अधिकारी लांजी में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में हार्वेस्टर प्रभारी एवं मालिकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण एवं फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशो की जानकारी देते हुए हार्वेस्टर मशीनों में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अनुविभागीय कृषि अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी सहित बड़ी संख्या में हार्वेस्टर मालिक और प्रभारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि पर्यावरण मंत्रालय के निर्देशानुसार अब ऐसे हार्वेस्टरों का संचालन नहीं किया जा सकेगा जिनमें पराली प्रबंधन के लिए आवश्यक यंत्र नहीं लगे होंगे। खेतों में पराली जलाने से बढ़ते प्रदुषण को रोकने और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने सभी हार्वेस्टर मालिकों को कृषि विभाग में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया गया कि मशीनों में एसएमएस सिस्टम नहीं लगाए जाने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित संचालकों की होगी। अधिकारियों ने कहा कि शासन की मंशा किसानों को जागरूक कर पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देना है। इस दौरान हार्वेस्टर मालिकों ने अपनी समस्या भी अधिकारियों के सामने रखी। उनका कहना था कि स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम मुख्य रूप से पंजाब से मंगवाया जाता है और उसे यहां तक पहुंचने में करीब एक से डेढ़ माह का समय लग सकता है। इस पर प्रशासन ने जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में अधिकारियों ने किसानों और मशीन संचालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पराली प्रबंधन को लेकर लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिला जल गुणवत्ता जांच का प्रशिक्षण

एफटीके किट से मौके पर ही किए गए पानी के नमूनों के परीक्षण

बालाघाट। किरनापुर विकासखंड में "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत पेयजल गुणवत्ता को लेकर महत्वपूर्ण पहल की गई। महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय किरनापुर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (PHE) द्वारा सालेटेका, रजेगांव एवं किन्ही सेक्टर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए फील्ड टेस्टिंग किट (FTK) प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 76 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सेक्टर सुपरवाइजर्स ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान सभी कार्यकर्ताओं की एफटीके यूजर आईडी भी बनाई गई। यह कार्य हरीश झा, शीतल मिश्रा, फनीश रंगारे, मोहिनी पटले एवं रानी सिंह राजपूत द्वारा किया गया।

ब्लॉक समन्वयक श्रुति डहाटे द्वारा कार्यकर्ताओं को जल गुणवत्ता परीक्षण की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान लाइव डेमो के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों से लाए गए पानी के नमूनों की मौके पर ही जांच की गई। कार्यकर्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से बताया गया कि पानी में घुले विभिन्न तत्वों की पहचान किस प्रकार की जाती है। एफटीके किट के माध्यम से पानी के pH मान, फ्लोराइड, आयरन तथा कठोरता (हार्डनेस) जैसे महत्वपूर्ण मानकों की जांच करना सिखाया गया। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि दूषित पानी बच्चों और आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, इसलिए नियमित जांच बेहद आवश्यक है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड किरनापुर के सब इंजीनियर श्री पवन पराडकर ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के पेयजल स्त्रोतों की वर्ष में कम से कम दो बार मानसून पूर्व एवं मानसून पश्चात अनिवार्य रूप से जांच करें। प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्वयं उत्साहपूर्वक अपने-अपने क्षेत्रों से लाए गए पेयजल स्त्रोतों की जांच कर सीखी गई प्रक्रिया का अभ्यास किया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें गांव स्तर पर जल गुणवत्ता की निगरानी करने में काफी मदद मिलेगी। इस पहल से आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा तथा ग्राम स्तर पर जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली और अधिक मजबूत होगी।

हथोड़ा गांव में पानी का संकट : खदानों की गहरी खुदाई और ब्लास्टिंग से सूख गए गांव के हैण्डपंप और कुएं

हरिभूमि न्यूज कटंगी। बालाघाट जिले की तिरोड़ी तहसील का ग्राम हथोड़ा मई महीने में 40 डिग्री तापमान की तपती धूप में भीषण जल संकट से गुजर रहा है। गांव में एक-एक बाल्टी पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। यहां घरेलू कामकाजी महिलाओं से लेकर परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए पानी जुटाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में संचालित मैंगनीज खदानों में गहरी खुदाई और हैवी ब्लास्टिंग के कारण भू-जलस्तर तेजी से नीचे चला गया है। जिस वजह से गांव के अधिकांश हैंडपंप पानी की जगह अब हवा उगलने लगे हैं और कुएं सूख कर रसातल में जा रहे है। मैंगनीज यानी काला सोना निकालने के लिए गांव की खदानों में 200 से 500 फीट तक खुदाई और हैवी ब्लास्टिंग की जा रही है। विस्फोट से आसपास की चट्टानें और जलधाराएं प्रभावित हो गई है। जिसका व्यापक असर गांव के जल स्त्रोतों पर पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार खदानों में होने वाली गहरी खुदाई से प्राकृतिक जल स्त्रोतों पर भी असर पड़ा है। आलम यह है कि केंद्र सरकार की अति महत्वकांक्षी हर घर नल-जल योजना तक ठप्प हो गई है।

ग्रामीणों ने सुनाया दर्द: गांव के रोहित बर्वे बताते है कि जल संकट के कारण गांव की हर घर नल-जल योजना अब तक शुरू नहीं हो पाई। गांव में कुएं और हैंडपंप सूख रहे है। उन्होंने बताया कि गांव में कुछ वार्डों में जल संकट बेहद विकराल रुप ले चुका है। वह एक उदाहरण देते हुए बताते है कि ''अगर कोई व्यक्ति अंतिम सांस ले रहा हो और उसे पानी की जरूरत पड़ जाए तो इन वार्डों में लगे हैण्डपंप चलाने के बाद भी पानी नहीं मिलेगा और व्यक्ति की मौत हो जाएगी।'' रोहित का मानना है गांव में संचालित होने वाली मैंगनीज खदानों से जलस्त्रोतों पर असर पड़ा है। इससे साफतौर पर इंकार नहीं किया जा सकता। हथोड़ा गांव में जल संकट का असर केवल इंसानों पर ही नहीं बल्कि मूक मवेशियों पर भी पड़ा है। रोहित ने सबसे दिलचस्प बात बताई वह राज्य सरकार से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों की आंखों को खोलने के लिए काफी होनी चाहिए। रोहित के मुताबिक अभी गर्मी के मौसम में जहां गर्मी के परेशान होकर शरीर को शीतलता प्रदान करने के लिए दिन में दो बाद स्नान करने का मन करता है। जल संकट के कारण सप्ताह में केवल दो से तीन बार ही स्नान हो पाता है।

साधना बोरकर बताती है कि उन्हें रोजाना एक किलोमीटर दूर जाकर पीने का पानी लाना पड़ता है। गांव के कपड़े धोने के लिए वह गांव के तालाब में जाती है किंतु अब तालाब भी सूखने की कगार पर है। सरिता बाई बताती है कि पानी की कमी का सबसे ज्यादा असर महिलाओं और बच्चों पर पड़ा है। महिलाएं सिर पर बर्तन रखकर लंबी दूरी तय करती हैं। घर के छोटे-छोटे बच्चों का बचपन भी प्रभावित हो रही है क्योंकि उन्हें भी पानी लाने में मदद करनी पड़ती है। गर्मी में पानी की कमी से बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है। हथोड़ा गांव के वार्ड क्रमांक 09 निवासी देवानंद ने बताया कि बर्तन धोने से लेकर खाना बनाने तक के पानी नहीं मिल पाता। गांव का सरपंच और सचिव ध्यान नहीं दे रहे है। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल-जल भी हथोड़ा में असफल साबित हो रही है। पाइपलाइन बिछाई गई थी, लेकिन स्त्रोत सूख जाने से पानी की आपूर्ति बंद हो गई। नल से पानी न आने के कारण ग्रामीणों का भरोसा टूट गया है।

कंपनी मुनाफा कमा रही, विधायक बैठक कर रहे: ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन और खदान कंपनियां उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दे रही हैं। कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन गांव के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। जल संरक्षण की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। प्रशासन केवल कागजी योजनाओं तक सीमित है। दरअसल, गत दिवस विधायक गौरव सिंह पारधी ने मायॅल नगरी तिरोड़ी के विश्राम गृह में खदानों के संचालकों के साथ बैठक की लेकिन इस बैठक के बाद ग्रामीणों को कोई फायदा नहीं हुआ। यह बैठक केवल खानापूर्ति ही साबित हुई है। ग्राम हथोड़ा का पेयजल संकट केवल एक गांव की समस्या नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए चेतावनी है।

शासकीय टिहली बाई माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया गया वृक्षारोपण

वारासिवनी। स्थानीय शासकीय टिहली बाई माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्थापित योग समिति, भारत स्काउट गाइड एवं वरिष्ठ नागरिक मंच के सदस्यों द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षक एवं विद्यालय जीर्णोद्धार समिति के पदाधिकारी पंचम हनवत के जन्म दिवस पर विद्यालय परिसर में जामुन के वृक्षों का रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर भूमिपूजन एवं तिलक वंदन योगाचार्य भेजेंद्र चौधरी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में पंचम हनवत ने पौधा रोपित कर कहा कि हमें सदैव ही पर्यावरण संरक्षण की ओर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि स्वच्छ पर्यावरण से ही स्वस्थ जीवन संभव हो सकेगा। समारोह में उपस्थित सभी नागरिकों ने सांसे हो रहीं हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम, नारा लगाते हुए पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ नागरिक मंच अध्यक्ष प्रणय श्रीवास्तव अश्क ने पंच तत्वों जल, वायु, अग्नि, आकाश एवं पृथ्वी में सबसे अधिक पृथ्वी की महत्ता को बताते हुए कहा कि पृथ्वी स्वच्छ पर्यावरण से अलंकृत हैं, तो शेष सभी तत्व सरलता से उपलब्ध हो सकते हैं।

मेटालिफेरस माइंस सेफ्टी वीक-2025 में बालाघाट माइंस को ओवरऑल द्वितीय पुरस्कार, सुरक्षा उत्कृष्टता का मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट माइंस परिवार के लिए गर्व और सम्मान का क्षण तब आया जब बालाघाट माइंस ने तृतीय मेटालिफेरस माइंस सेफ्टी वीक-2025 जो मलाजखंड में आयोजित हुवा।इस में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। यह उपलब्धि खदान प्रबंधन, कर्मचारियों और अधिकारियों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता, अनुशासन, टीमवर्क तथा संचालन उत्कृष्टता को दर्शाती है।

सुरक्षा मानकों के पालन और बेहतर कार्य संस्कृति के लिए पहचानी जाने वाली बालाघाट माइंस ने विभिन्न श्रेणियों में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की। खदान को व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं प्राथमिक उपचार (Vocational Training & First Aid) श्रेणी में प्रथम पुरस्कार, माइंस वर्किंग श्रेणी में प्रथम पुरस्कार, तथा विस्फोटकों के भंडारण, परिवहन एवं उपयोग (Storage, Transport & Use of Explosives) श्रेणी में भी प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इसके अलावा, वाइंडर के संचालन एवं रखरखाव (Maintenance & Operation of Winder) श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार तथा माइन प्लान एवं रिकॉर्ड (Mine Plans & Record) श्रेणी में भी द्वितीय पुरस्कार प्राप्त कर बालाघाट माइंस ने अपनी दक्षता और बेहतर प्रबंधन क्षमता का परिचय दिया।

यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करना इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि पुरस्कार सम्मानित अतिथि श्री उज्ज्वल तह के करकमलों से प्रदान किया गया। इस अवसर ने पूरे बालाघाट माइंस परिवार के लिए उपलब्धि को और भी यादगार बना दिया।

बालाघाट माइंस प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय प्रत्येक कर्मचारी, श्रमिक, अधिकारी एवं सहयोगी को दिया, जिनकी मेहनत, समर्पण और सुरक्षित कार्यस्थल के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। प्रबंधन का कहना है कि सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे प्रत्येक स्तर पर गंभीरता से अपनाया जाता है।

प्रवेश प्रारंभ
Approved by AICTE, New Delhi, Affiliated to RGPV Bhopal & OTE MP
सतपुड़ा इंजीनियरिंग कॉलेज
B.Tech. 4 Year Degree 12th Mats Pass
Polytechnic 3 Year Diploma 10th Pass
कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
माईनिंग इलेक्ट्रिकल
सिविल मैकेनिकल
JOB SAHI
सतपुड़ा कैम्पस, लाल रोड, मांझापुर बालाघाट (म.प्र.)
9425836824, 62625604111 Web: www.satpudaengineeringcollege.com